

STRACEDINARY

भाग II—कण्ड 3—उप-कण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii) प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 418]

गई विल्ली, मंगलवार, जुलाई 24, 1990/धावण 2, 1912

No. 418]

NEW DELHI, TUESDAY, JULY 24, 1990/SRAVANA 2, 1912

इ.स. भाग में भिम्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकल्पन को रूप में रहा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

संमानव संसाधन विकास मंत्रालय

(णिक्षा विभाग)

ग्रधिमूचना

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1990

का० भ्रा० 583(अ)—विश्वविद्यालय श्रनुदान श्रायोग श्रिधिनियम, 1956 (1956 का 3) के खण्ड 6 के उप खण्ड (4) के साथ पठित खण्ड (5) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्दीय सरकार प्रो० राम लाल पारिख, कुलपति, गुजरात विद्यापीठ को

श्री एल० एन० मिश्र, भारत के भूतपूर्व महान्यायवादी के त्याग पत्न देने के परिणाम-स्वरूप हुए रिक्त स्थान पर तीन वर्ष की श्रविध के लिए विश्वविद्यालय श्रनुदान श्रायोग के सवस्य के रूप में नियुक्त करती है।

> [संज्ञापक 4-30/90-थू] एस० जी० **मांकड, संयुक्त** मनिव

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of Education)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th July, 1990

S.O. 583(E) —In exercise of the powers conferred by Section 5 nead with Sub-Section (4) of Section 6 of the University Grants Commission Act, 1956 (3 of 1956), the Central Government hereby appoints Prof. Ramlal Parikh. Vice-Chancellor, Gujarat Vidyapeeth, to be a member of the University Grants Commission for a term of three years in the vacancy caused by the resignation of Shri L. N. Sinha, former Attorney General of India.

S. G. MANKAD, Jt. Seey.